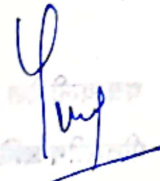


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर व अहकाम हुकम की में जारी
---------------	--------------------------------------	---

12
9/24

पत्रावली पेश हुई। वकील अभयपद उप
~~आवेदन~~ शाब्दिक ~~पत्र~~ अर्थात्
 उक्त पत्र का पेश, एक प्रति वकील
 को जिलाकर शाब्दिक पत्रावली
 वास्ते बहल शाब्दिक धारा 212 R.N. Act
 दि. 10/2/25 को पेश हो।


 09/11/24

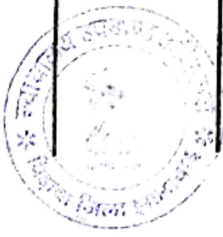
10⁰²
25

पत्रावली पेश हुई। वकील अभयपद
 उपस्थित। बहल अभयपद सुनी गयी।
 पत्रावली वास्ते आदेश शाब्दिक धारा 212
 R.N. Act दि. 03/03/25 को पेश हो।


 10/1/25

03/25
 4

पत्रावली पेश हुई। बहुजन परिषद उपस्थित। बहल
 शाब्दिक धारा 212 R.N. Act दि. 03/03/25 को पेश हो।
 पत्रावली का अवलोकन किया गया। धारा 212 R.N. Act
 03/03/25 को पेश हो।
 के लिए इसे निम्न 03 बिंदुओं पर ध्यान आवश्यक है।
 (क) प्रकरण प्रथम हुआ : - आगे प्राप्ति द्वारा
 बहल के दौरान कहा कि काम पिता
 कासरा आरणी खण्ड 1018 रकबा 1.8570 हे.क.
 1286 रकबा 0.0253 हे.क., खण्ड 1287 रकबा 0.9232 हे.क.



रव तारीख
नाम जो इस
की तारीख
जारी हुए

तारीख
हुवम

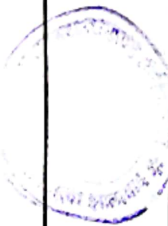
हुवम या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुवम की तारीख
में जारी हुए

खण्ड 1288 खण्ड 0-1632 के व खण्ड 1289 खण्ड 0-5564
के किता 5 खण्ड 3-4231 के प्रमाण एवं अप्रार्थी 3 व 2
की प्रेरित आराजी है जो मूलतः गोविन्दलाल व माधुलाल की
सहकारी में दर्ज थी। माधुलाल, माधुलाल की प्रेरित थी
जो अपने पुत्र गोविन्दलाल के तीन बेटों में से मदनलाल की
गोद लिया था। माधुलाल की प्रेरित के वर मदनलाल
व गोविन्दलाल ने आपसी सहमति से पारिवारिक वंशानुक्रम
किता का प्रिलेख खण्ड 1018 खण्ड 7-07 के गोविन्दलाल
की प्रिलेख की प्रेरित किता 4 खण्ड 6-04 के माधुलाल
मदनलाल के प्रिलेख की प्रेरित थी। इसी पारिवारिक वंशानुक्रम
दिनांक 31/10/1971 के अनुसार दोनों पक्ष अपने-अपने
प्रिलेख पर कार्यवाही कर रहे हैं। गोविन्दलाल की
प्रेरित की प्रेरित - बालमुकुन्द व गोपालकृष्ण - के प्रमाण
एवं गोद गये पुत्र मदनलाल के अप्रार्थी क्रम 1 व 2
वारिसान हैं।

आमो प्रमाणों ने जाने तक किता किता
की दिनांक 01/04/2016 को 50 रुपये के stamp paper
पर सतक मदनलाल के वारिसान - श्री भूपेन्द्र कुमार उ, दुर्गा
बैठा व सतक पुत्र निरजमंगल के वारिसान तथा बालमुकुन्द
एवं गोपालकृष्ण के प्रमाण के मध्य पुत्र : समझौता
हुका था जिसमें सन् 1971 के पारिवारिक वंशानुक्रम पर
सहमति व्यक्त करते हुये खण्ड 1018 पर प्रमाण का एक
व प्रमाण (स्वीकार) गया था। बात : प्रमाण प्रमाण
हुका प्रमाणों के पक्ष में है।

आमो अप्रार्थी क्रम 3 व 4 ने वर का विरोध करते
हुये कथन किता कि अप्रार्थी क्रम 3 व 4 वाडग्रह आराजी
में जारी सतक विक्रय से वर्ष 2020 में प्रमाण का क्रय
कर रिजर्वेड सहकारी बनने हैं। वाडग्रह आराजी सामान्य
प्रमाण हैं जिसका कौनो वंशानुक्रम नहीं हुआ है। प्रमाणों के
प्रमाण एवं अप्रार्थी क्रम 1 व 2 के प्रमाणों के मध्य हुये पारिवारिक
वंशानुक्रम दिनांक 31/10/1971 व 01/04/2016 से अप्रार्थी 3 व 4
का कोई सरोकार नहीं है। कानूनी रूप से प्रमाणों के सहमति



तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

हुक्म
कार्यवाही
या मय
इनिशियल्स
जज

time limit से barred होने से कोई महत्व नहीं रखता है।
आर्ची क्रम 3 व 4 रिपोर्ट्स सहकारिता होने से सम्पूर्ण
शामलाली गौरी का गच्छी से तो कच्छी के कुली से कुली-
के आधार पर खाता विभाजन करने के पान ही मतः
आर्ची क्रम 3 व 4 उत्तरार्ध निपेदाता से पार्वत की रिपोर्ट

पहले अध्यापन के परिप्रेक्ष्य आर्ची का अवलोकन
किया गया। प्राचीनता द्वारा पेश न्यायिक हस्तांतो का भी
अवलोकन किया गया। ग्राम पिडावा की वरद्वारा आर्ची
खाता नं० 306 किता 5 रकबा 3.4271 हे० की जमावारी
संवत् 2074-75 के अनुसार वरद्वारा आर्ची क्रमांक में
प्राचीनता, आर्चीनता एवं 04 अन्य की सहकारिता में
वर्ष रिपोर्ट है जिसमें प्राचीनता का हिस्सा क्रमांकः
5/28, 1/20 व 1/29 है। यहां ग्राम प्रधान वरद्वारा गौरी के
family settlement से वरद्वारे और तदनुसृत जोके पर कब्जे
काधार होने का है? प्राचीनता द्वारा पेश परिचारिक समित्त
दिनांक 31/10/1971 की photocopy (सप्रमाणित) के अन्वयित्त
से प्रतीत होता है कि - गोविन्दलाल पुत्र कवीरम अस्मिता एवं
मदनलाल सुतवन्ता नाथूलाल की के सहज गोपालकृष्ण व वाल-
मुकुंद की अस्तित्थ से सम्बन्धित होकर खण्ड 1018 रकबा
7-07 बीघा गोविन्दलाल की के हक में प्राप्त होता है और
खण्ड 1286 रकबा 02 बिघा, खण्ड 1287 रकबा 3-13 बीघा,
खण्ड 1288 रकबा 05 बिघा, व खण्ड 1289 रकबा 2-04 बीघा
कुल 6 बीघा 08 बिघा मदनलाल की के प्राप्त होता जाहिर
है। इसी प्रकार प्राचीनता द्वारा पेश 50 पैसे के stamp
paper पर लिखी अंशित्त वसुधत की photocopy के अन्वयित्त
से भी जाहिर होता है कि ग्राम पिडावा की आर्ची नं०
108 रकबा 07-07 बीघा अर्थात् की वरद्वारा गोविन्दलाल वरद्वारा
द्वारा अपने दो लडकी - गोपालकृष्ण व वालमुकुंद के पक्ष
में किया जाना अंशित्त है। अर्थात् खण्ड 1018 पर
रकबा 1980 से वा पूर्व से गोविन्दलाल का और तदुपरांत
गोपालकृष्ण व वालमुकुंद का होता जाहिर होता है।



नम्बर व तारीख
अटकाम जो इस
हुक्म की तालीम
में जारी हुए

तारीख
हुक्म

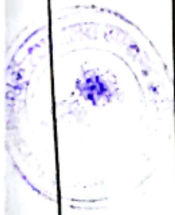
हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अटकाम जो इस
हुक्म की तालीम
में जारी हुए

इस प्रकार 50 रुपये के stamp paper पर लिखे
आपका पत्र (दिनांक 2016), पते कि भूपेन्द्र कुमार व्यास, आनिके
कुमार व्यास व दुर्गादेवी दास 0416 किया है, मैं स्वतंत्र
1018 रकम 9-01 नैका सफ़ी वात्सुकुंड व्याल व हर्षवर्धन व्याल
द्वारा उपयोग-उपयोग करना जवकि ख070 1286, 1287
1288 व 1289 जो दुर्गादेवी, भूपेन्द्र कुमार व्याल व आनिके
व्यास द्वारा उपयोग-उपयोग करना अंकित है। इन
शपथ पत्र की प्रमाणिकता पर कोई टिप्पणी नहीं करना
इच्छित नहीं है। यह सूचनाओं में लगी कामों के
लाइम खिया आकर adjudicate किया जायेगा।

प्रार्थना एवं अप्रार्थना एक ही कुटुंब के सदस्य हैं
और वास्तविक आमतौर पर आराम पर विगत लम्बे समय
से family settlement द्वारा अपने-अपने हिस्से वाले भूमि पर
पर अपने-अपने हिस्से वाले भूमि पर व्यवसाय करने
आ रहे हैं। धारा - 212 RT Act नं. 039 R. 1.82 cpc के
अनुसार के निवारण से 'कब्जा' (possession) मुख्य आधार
होता है। प्रकरण में प्रार्थना के कब्जे की भूमि के
एक सह खातेदार सदस्य प्रेमबाई पुत्री मदनलाल द्वारा अपने
हिस्से का अर्थात् क्रम 1 व 2 को वैधानिक
19/08/2020 दिनांक का चुका है जिस प्रकार की
वाड-वहुमता (multiplicity of suit) भी बड़ेगी। अतः
जहाँ आमतौर पर भूमि की चिन्ता भी पड़ाने द्वारा
दुर्व्ययन करने, उसे नुकसान/हानि पहुंचाने या अंतरित
(transfer) करने का खतरा या भय ही तो है।
लिम्बे में ल्यायसप विवादिता संघर्ष के परिरक्षण एवं
संरक्षण के लिए निवारक अपुतोष (preventive relief)
के रूप में आदेश रूप से निषेधात्मक जारी कर
सकता है।

अप्रार्थन विवेकन के आधार पर प्रकरण
प्रथम बंधन प्रार्थना के पक्ष में साबित है।



नगरपालिका
अहमदनगर
हुयम या कार्यवाही
में

(ब) सुविधा का सुविधा :- प्रकार प्रथम वृत्त प्राथमिक के पक्ष में साबित है। प्रकार में उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर वाडग्राम भूमि खण्ड 1018 रचना 7-03 बीमा पर लगे समय से कठना पहिले जीपस वृत्त व कल्लमुकुंड का और वर्तमान में प्राथमिक का (वारिसान) बीमा बाहिर होता है। यह भूमि family settlement से कर्णकाश्रत में 1931 से बीमा प्रतीत होता है। इस लगे समयवादी में प्राथमिक द्वारा स्वयं के खर्च से उक्त भूमि को अ-सुधार (improvements) उपजाऊ भी बनाया है। अतः मूलका में खर्चा किया का निवारण होने तक यदि अप्राथमिक, प्राथमिक के पक्ष पुरानी कर्णकाश्रत की भूमि का, अने ही सामग्री है, बीमा, इन काई अंतरण करते हैं या बुई-बुई का alienated करते हैं तो प्राथमिक को तुलनात्मक अधिक असुविधा होगी बाधित यथास्तिर्ध बनाये रखने की अल्पाई निषेधाता जारी करने पर प्राथमिक को अधिक सुविधा होगी।

(स) अपूरणीय दावे → प्रकार में family settlement के पक्षों के विरुद्ध, अप्राथमिक द्वारा प्राथमिक के लगे व पुराने कर्णकाश्रत वाले खण्ड 1018 की भूमि का अंतरण करके ए प्राथमिक एवं अपूरणीय दावे जारी हो सकेगी।

उपरोक्त विवेचन व विरलक्षण के आधार पर प्राथमिक का प्रपत्र पं.श.र.स. नं. 0-39/11522 स्वीकार किया जाकर अप्राथमिक क्रम 152,5 को जारी अल्पाई निषेधाता ताकसामूलकाइत इस आशय से जारी किया जाता है कि वाडग्राम भूमि खण्ड 1018 के राजस्व रिकार्ड व मौके स्तिर्ध को बनाये रखे। पचावती में खलभुमार होकर नामर से काम होकर मूलकाइत के साथ साबित हो।



[Signature]
पिडावा, जिला अहमदनगर (राज.)

क्रमांक:
प्रेषक:



एवं अ
कर पा

मूल
निर्णय

क्रमांक

प्रतिदि

1. "
2. "
3. "

रा.इ